अखिल भारतीय श्री जैन रत्न आध्यात्मिक शिक्षण बोर्ड, जोधपुर

कक्षा : प्रथम – जैन धर्म परिचय (परीक्षा 16 जुलाई, 2017)

समय : 3 घण्टे अंक : 100

रोल नं.: (अंकों में) .....

(शब्दों में) .....

परीक्षा केन्द्र की कोड संख्या :

केन्द्राधीक्षक/निरीक्षक के हस्ताक्षर

परीक्षार्थियों के लिए आवश्यक निर्देश–

सावधान

1. परीक्षा में नकल नहीं करें। 2. प्रामाणिकता से परीक्षा देकर ईमानदारी का परिचय दे। 3. मायावी नहीं मेधावी बनें। 4. नकल से नहीं अकल से कम लें।

1. सभी प्रश्नों के उत्तर इसी पत्रक में प्रश्न के नीचे/सामने छोड़े गये रिक्त स्थान में ही लिखें।
2. काली अथवा नीली स्याही का प्रयोग करें, लाल स्याही का नहीं।
3. उत्तीर्ण होने के लिए कम से कम 50 प्रतिशत अंक पाना अनिवार्य है अन्यथा अनुत्तीर्ण माना जाएगा।
4. अधीक्षक, पर्यवेक्षक एवं वीक्षक के निर्देशों का पालन करें।
5. कहीं पर भी अपना नाम अथवा केन्द्र का नाम नहीं लिखें।

जाँचकर्त्ता के प्रयोग हेतु–

प्रश्न क्र.	1	2	3	4	5	कुल योग
प्राप्तांक						
पूर्णांक	10	10	10	28	42	100
पुनः जाँच						

जाँचकर्त्ता के हस्ताक्षर

प्र.1 निम्नलिखित प्रश्नों में से सही उत्तर का क्रमाक्षर कोष्ठक में लिखिए :- **10x1 = (10)**

(a) हमारे गुरु हैं-

(क) अरिहंत (ख) सिद्ध

(ग) आचार्य, उपाध्याय, साधु (घ) इनमें से कोई नहीं ( )

(b) सामायिक में मन के दोष हैं -

(क) 10 (ख) 12

(ग) 32 (घ) इनमें से कोई नहीं ( )

(c) सामायिक में त्याग किया जाता है -

(क) निरवद्य योग का (ख) सावद्य योग का

(ग) सावद्य, निरवद्य योग का (घ) इनमें से कोई नहीं ( )

(d) जिस अक्षर पर अनुस्वार (.) है, उसके आगे 'व' होने पर अनुस्वार का उच्चारण करेंगे-

(क) ञ् (ख) ण्

(ग) म् (घ) ङ्. ( )

(e) आठवाँ बोल है-

(क) योग पन्द्रह (ख) कर्म आठ

(ग) शरीर पाँच (घ) मिथ्यात्व दस ( )

(f) स्पशनेन्द्रिय के विषय हैं-

(क) 05 (ख) 23

(ग) 08 (घ) 03 ( )

(g) साहरण की रात्रि में माता त्रिशला ने स्वप्न देखे-

(क) 10 (ख) 14

(ग) 07 (घ) 09 ( )

(h) 'महावीर स्तुति' प्रार्थना के रचयिता है -

(क) अशोक मुनि (ख) दर्शन मुनि

(ग) गौतम मुनि (घ) महेन्द्र मुनि ( )

(i) ग्यारहवें तीर्थंकर का नाम है-

(क) वासुपूज्यजी (ख) अनन्तनाथजी

(ग) श्रेयांसनाथजी (घ) शीतलनाथजी ( )

(j) विनय जिसका मूल है, वह है -

(क) गुरु कृपा (ख)धर्म

(ग) ज्ञान (घ) मान ( )

प्र.2 निम्न प्रश्नों के उत्तर 'हाँ' अथवा 'नहीं' में दीजिए :- **10x1 = (10)**

(a) घाती कर्मों को क्षय कर अरिहंत बन सकते हैं। ( )

(b) प्राकृत भाषा में ऋ अक्षर होता है। ( )

(c) इच्छाकारेणं का पाठ आलोचना सूत्र है। ( )

(d) अनुस्वार के आगे'स' होने पर अनुस्वार (.) का उच्चारण 'न' करेंगे। ( )

(e) पाँचवा बोल प्राण दस होता है। ( )

(f) मोक्ष के मार्ग को संसार का मार्ग श्रद्धे तो मिथ्यात्व। ( )

(g) माता-पिता के स्वर्गवास के समय महावीर की आयु 30 वर्ष थी। ( )

(h) श्री शांतिनाथजी 14वें तीर्थंकर थे। ( )

(i) गुरु भगवंतों के समक्ष खुले मुहँ नहीं बोलना उत्तरासंग धारण है। ( )

(j) व्यसन जीवन के सर्वनाशक हैं। ( )

प्र.3 मुझे पहचानो :- **10x1 = (10)**

(a) मेरे द्वारा चतुर्विध संघ रूप धर्म तीर्थ की स्थापना की गई। .....

(b) मैं सामायिक ग्रहण करने का पाठ हूँ। .....

(c) मैं कायोत्सर्ग प्रतिज्ञा का पाठ हूँ। .....

(d) मैं सभी मंगलों में पहला मंगल हूँ। .....

(e) मैं पच्चीस बोल का तेरहवां बोल हूँ। .....

(f) मैने भगवान महावीर का अभिग्रह पूरा किया। .....

(g) मैं पाप को मिटाने तथा भारत देश को जगाने आया था। .....

(h) मैं 21वाँ तीर्थंकर हूँ। .....

(i) मैं पाँच अभिगम में पहला अभिगम हूँ। .....

(j) मैं एक ऐसा कुव्यसन हूँ जो मानव जीवन का भयंकर कोढ़
के रूप में जाना जाता हूँ। .....

प्र.4 निम्न प्रश्नों के उत्तर एक-दो पंक्तियों में दीजिए। **14x2 = (28)**

(a) **अणगार धर्म कसे कहते हैं ?**

.....

.....

(b) **उच्चारण शुद्धि के कोई दो नियम लिखिए।**

.....

.....

(c) **भगवान महावीर ने कौनसे धर्म की प्ररूपणा की ?**

.....

.....

(d) **जैन धर्म का प्राण किसे कहा गया है ?**

.....

.....

(e) **सामायिक में कितने प्रकार के दोष लगते हैं ?**

.....

.....

(f) **सामायिक ग्रहण करने का पाठ लिखिए।**

.....

.....

(g) **पाँच जाति के नाम लिखिए।**

.....

.....

(h) **नौवें बोल के आधार पर पाँच ज्ञान के नाम लिखिए।**

.....

.....

(i) **चक्षुरिन्द्रिय के पाँच विषयों के नाम लिखिए।**

.....

.....

(j) **केवल ज्ञान प्राप्त होने पर भगवान महावीर की पहली शिष्या कौन बनी ?**

.....

.....

(k) **रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए-**

अरिहंताणं.....।

.....सिद्धी पाता है।।

(l) **रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए-**

जिस जगति .....।

.....पार किया।।

(m) **ज्ञान विनय किसे कहते हैं ?**

.....

.....

(n) **मांस भक्षण से क्या हानि होती हैं ?**

.....

.....

प्र.5 निम्न प्रश्नों के उत्तर दो-तीन वाक्यों में लिखिए : - **14x3=(42)**

(a) **हम अरिहन्तों को आराध्यदेव क्यों मानते हैं ?**

.....

.....

.....

.....

(b) **गुरु किसे कहते हैं, गुरु हमें क्या देते हैं ?**

.....

.....

.....

.....

(c) **जैन साधुओं द्वारा पालन करने योग्य प्रथम तीन महाव्रतों को समझाइए।**

.....

.....

.....

.....

(d) **श्रद्धा एवं पालन करने की अपेक्षा से जैन कितने प्रकार के होते हैं ?**

.....

.....

.....

.....

(e) **विहरमान किसे कहते हैं, ये वर्तमान में कितने हैं ?**

.....

.....

.....

.....

(f) **इरियावहियं .....संताणा संकमणे। रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए।**

.....

.....

.....

.....

(g) **अप्पडिहय.....जिअभयाणं। रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए।**

.....

.....

.....

.....

(h) **रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए-**

कित्तिय.....

.....**दिंतु**

चंदेसु.....

.....**दिसंतु।**

(I) **पन्द्रह योगों के नाम लिखिए।**

.....

.....

.....

.....

(j) **दस प्राण के नाम लिखिए।**

.....

.....

.....

.....

(k) **स्पर्शनेन्द्रिय के 8 विषय के 96 विकार लिखिए।**

.....

.....

.....

.....

(l) **पंच दिव्य के नाम लिखिए।**

.....

.....

.....

.....

(m) **नित .....नैया तारी है। रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए-**

.....

.....

.....

.....

(n) **मदिरा पान से होने वाली हानियाँ लिखिए।**

.....

.....

.....

.....